पाठ 1. चिड़िया

मौखिक कार्य

(क) 1. चिड़ियों को खाने की परवाह नहीं है।
2. चिड़ियों को पेड़ों की डाल पर फुदकते हुए गाते रहने में जीवन का रस मिलता है।
3. चिड़ियों को घास से बना घोंसला सुहाता है।

लिखित कार्य

(ख) 1. चिड़िया को मनुष्य से शिकायत है कि वह अकारण ही उसे कैदी बना लेते हैं।
2. चिड़िया को पेड़ों की हरी डाल पर फुदकना और आज़ादी से गाना सबसे अच्छा लगता है।
3. चिड़िया को प्रकृति और लोहे से डर नहीं लगता।
4. चिड़िया को खुले आसमान में उड़कर, डाली पर फुदककर और गाकर प्रसन्नता मिलती है।
5. चिड़िया को अपना समूह छोड़कर अकेले रहने की चाह नहीं है।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख)

(घ) बच्चों को कविता कंठस्थ कराएँ और स्वयं पंक्तियाँ पूरी करने के लिए कहें।

(ङ) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग
5. स्त्रीलिंग 6. पुल्लिंग 7. स्त्रीलिंग 8. पुल्लिंग

(च) 2. खाना, खाता 3. जाना, जाता 4. पढ़ना, पढ़ता
5. चलना, चलता 6. बढ़ना, बढ़ता

रचनात्मक कार्य

(छ) बच्चे स्वयं चित्र में सुंदर रंग भरें –
– इससे बच्चों की कल्पनाशक्ति तथा चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

पाठ 2. सबसे अच्छा उपहार

मौखिक कार्य

(क) 1. राज एक मेधावी छात्र था।
2. पिंकी के तीन भाई थे – विजय, विनोद और राज।
3. राज को माँ से पैसे लेकर रक्षाबंधन के दिन पिंकी को उपहार देने की बात अच्छी नहीं लगती थी।
4. विजय ने सुनहरे बालों वाली गुड़िया तथा विनोद ने गुड्डे-गुड़िया का एक सुंदर-सा जोड़ा दिया।
5. राज ने पिंकी को उपहार में वही फ्रॉक दी जो उसने रेडीमेड कपड़ों की दुकान पर देखी थी।
6. जब माँ को यह पता चला कि राज ने अपनी ट्यूशन की कमाई के पैसों से यह फ्रॉक खरीदी है तो उन्होंने उसे गले लगा लिया। यह देख विजय और विनोद एक-दूसरे का मुँह ताकने लगे।

लिखित कार्य

(ख) 1. रक्षाबंधन के दिन पिंकी के भाई उसे कोई न कोई उपहार अवश्य देते थे।
2. तीनों भाई अभी उम्र में छोटे थे तथा अपनी पढ़ाई कर रहे थे। अतः अपनी बहन को उपहार देने के लिए उन्हें पैसे अपनी माँ से ही लेने पड़ते थे क्योंकि उनकी अपनी कोई आमदनी नहीं थी।
3. माँ ने तीनों भाइयों को बुलाकर कहा कि इस बार मैं रक्षाबंधन पर तुम तीनों को इकट्ठे पैसे नहीं दे पाऊँगी। हाँ, हर महीने थोड़े-थोड़े पैसे दिया करूँगी जिन्हें तुम लोग जमा करते रहना और उन पैसों से पिंकी के लिए कोई उपहार खरीद लेना।
4. राज ने माँ से पैसे लेने से इनकार करते हुए कहा कि मैं कब तक आपसे पैसे लेकर पिंकी को उपहार देता रहूँगा? इस बार मैं भले ही पिंकी को कुछ न दे पाऊँ, परंतु आपसे पैसे नहीं लूँगा।
5. राज का उपहार देखकर विजय को लगा कि इतने पैसे इसके पास कहाँ से आए होंगे। इसने ज़रूर चोरी की होगी। विनोद को लगा कि इसने पैसे अवश्य पापा की जेब से चुराए हैं। माँ को भी यही लग रहा था कि उसने सचमुच चोरी की है।
6. राज उन सज्जन के बच्चे को ट्यूशन पढ़ाता था। वह बच्चा इस बार कक्षा में प्रथम आया था। उसी खुशी में वह सज्जन राज का मुँह मीठा कराने के लिए मिठाई लेकर आए थे।
7. विजय और विनोद ने राज का उपहार देखकर यह सोचा था कि उसने चोरी की है। राज को उन्होंने गलत समझा, इसी वजह से उन्हें पछतावा हो रहा था।
8. पिंकी को सबसे अधिक प्रसन्नता उस समय हुई जब उसे पता चला कि राज ने उसे जो उपहार दिया था वह राज के परिश्रम की कमाई का था।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. माँ ने तीनों बेटों से कहा क्योंकि उनके पास ज़्यादा पैसे नहीं थे।
2. राज ने अपनी माँ से कहा क्योंकि वह अपनी कमाई से उपहार देना चाहता था।
3. माँ ने राज से कहा क्योंकि उन्होंने समझा कि उपहार देने के लिए राज ने चोरी की है।
4. सज्जन ने राज से कहा क्योंकि उनका बेटा परीक्षा में प्रथम आया था। उनके बेटे को राज ट्यूशन पढ़ाता था।

(ङ) 2. वस्तुएँ 3. पर्व 4. सुनहरा 5. रुआँसी 6. महँगी

(च) 1. भेंट 2. महीना 3. मुख 4. प्रथम 5. विद्यार्थी 6. माता

(छ) 2. चमकीली 3. आवश्यक 4. परिश्रमी 5. पढ़ाई 6. कमाई

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।
- बच्चों को दिए गए शब्दों से वाक्य बनाने को कहें।
- अपने-आप वाक्यों का निर्माण करने से बच्चों को लिखने का अभ्यास होगा।
- एक या दो शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कर उदाहरणस्वरूप श्यामपट्ट पर लिखें।

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चे बताएँ कि त्योहार उन्हें क्यों अच्छे लगते हैं।
- इस विषय पर बच्चे अपने विचार कक्षा में अभिव्यक्त करें।
- इससे उनमें आत्मविश्वास जागेगा तथा उनकी भाषा में प्रवाह आएगा।

पाठ 3. कुलूमू की चतुराई

मौखिक कार्य

(क) 1. कुलूमू अफ्रीका के बलाका गाँव में रहता था।

2. सरदार स्वभाव से लोभी और क्रूर था।

3. कुलूमू को जब यह पता चला कि सरदार उसके कारण बेकसूर लोगों की जान का दुश्मन बन गया है तो उसने सोचा कि उसका जीना बेकार है। अत: वह गाँव छोड़कर चला गया।

4. चूँकि सरदार कुलूमू को पकड़कर खत्म करने की बात अपने साथियों से कर चुका था और कुलूमू उसके सामने स्वयं आकर खड़ा हो गया था, यह देख सरदार प्रसन्न हो गया।

लिखित कार्य

(ख) 1. कुलूमू दूसरों की सहायता के लिए सदैव तैयार रहता था। यही कारण था कि सभी लोग उसको आदर देते थे।

2. जब भी संकट की घड़ी आती, लोग कुलूमू के पास पहुँच जाते। वह उनके दुखों को सुनता तथा उनकी मदद करता था। उसे अपने गाँव व गाँववासियों से बहुत प्यार था। इसी कारण उसकी लोकप्रियता दिन-प्रतिदिन बढ़ने लगी। यही सरदार की चिंता का कारण था।

3. सरदार ने अपने सहयोगियों से कहा कि इस समय बलाका गाँव के सभी लोग प्रसन्न और संतुष्ट दिखाई दे रहे हैं। मक्की काटने का समय हो चुका है। इस वर्ष अच्छी वर्षा होने से फ़सल भी अच्छी हुई है। वे लोग फ़सल के लोभ में वहीं पर होंगे। यही हमारे लिए सही समय है। अत: हमें उनपर धावा बोल देना चाहिए।

4. जब सरदार कुलूमू को साथ लेकर गाँव पर धावा बोलने के लिए जाने को तैयार हो गया तब कुलूमू ने उससे कहा कि वह उस गाँव में नहीं जाना चाहता है क्योंकि वहाँ प्लेग फैला हुआ है। प्लेग का नाम सुनकर सरदार और उसके सहयोगी डरकर वहाँ से भाग गए। इस प्रकार कुलूमू ने अपने गाँववालों की जान बचाई।

5. कुलूमू के मुख से प्लेग का नाम सुनकर सरदार और उसके सहयोगियों के पैरों के नीचे से ज़मीन खिसक गई। साँसें ऊपर-नीचे होने लगीं। अपनी जान को खतरे में जानकर वे लोग वहाँ से भाग गए।

6. कुलूमू एक उदार हृदयवाला युवक था। दूसरों की मदद करना उसका स्वाभाविक गुण था। गाँव के लोगों का दुख सुनकर उसे दूर करना, उनकी मदद करना उसे अच्छा लगता था। उसे अपने गाँव से बेहद प्यार था। वह अपने गाँव के लिए कुछ भी कर सकता था, अपनी जान भी दे सकता था। उसका सोचना था कि केवल अपने लिए जीना भी कोई जीना है! जो दूसरों के लिए जीते हैं, वे ही सच्चे इनसान कहलाते हैं। यही वजह थी कि वह अपनी जान की परवाह न कर सरदार के सामने सीना तानकर खड़ा हो गया। इससे साबित होता है कि वह साहसी था।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. सरदार ने कुलूमू से क्योंकि उसने अपने गाँव जाने से मना कर दिया था।
2. कुलूमू ने सरदार से क्योंकि वह गाँववालों को सरदार के कहर से बचाना चाहता था।

(ङ) 1. व्यक्तिवाचक 2. जातिवाचक 3. जातिवाचक 4. भाववाचक
5. जातिवाचक 6. भाववाचक

(च) 1. निश्चिंत 2. दोषी 3. दोस्त 4. बुरी 5. पत्नी 6. डरपोक

(छ) बच्चों को अपनी कल्पना से वाक्य बनाने को कहें।
- वाक्यों का स्तर थोड़ा अच्छा हो।
- वाक्य पाठ से संबंधित न हों।

मुहावरों के अर्थ इस प्रकार हैं –
1. बहुत गुस्सा आना 2. सावधान होना 3. आक्रमण करना

रचनात्मक कार्य

(ज) बच्चे अपनी कल्पना से कोई और तरीका सोचें।
- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों से इस प्रश्न पर पहले चर्चा कर लें।
- बच्चों के पास ऐसे विषयों के लिए बहुत से विचार होते हैं।
- सभी को भिन्न-भिन्न विचार (उत्तर) लिखने को कहें।

पाठ 4. सिकंदर का न्याय

मौखिक कार्य

(क) 1. सिकंदर महान यूनान का सम्राट था।

2. धन न मिलने पर डाकू राहगीरों को मार देता था।

3. सिकंदर ने डाकू से कहा कि तुझ पापी को भी अपनी सफ़ाई देने का पूरा अवसर मिलेगा, जो कुछ कहना चाहता है उसे निस्संकोच कह। तेरे साथ भी पूरा इंसाफ़ किया जाएगा।

4. सिकंदर के आश्वासन पर डाकू ने जो कुछ भी कहा वह सिकंदर के खिलाफ़ था। उसके निडरता भरे शब्दों को सुन राजदरबार में निस्तब्धता छा गई।

5. डाकू द्वारा बोले गए शब्दों से यह स्पष्ट हो गया था कि जो बादशाह दूसरे राज्य पर आक्रमण करता है वह भी पापी है। सिकंदर समझ गया कि इसका इशारा उसकी ओर ही है, इसलिए लज्जा से उनकी गर्दन नीचे झुक गई।

लिखित कार्य

(ख) 1. सिकंदर अपनी प्रजा के सुख-दुख का बड़ा ध्यान रखता था। यही कारण था कि उसकी प्रजा उसे बहुत चाहती थी।

2. डाकू के आतंक से प्रजा त्राहि-त्राहि कर उठी थी। जब सैनिकों ने उसे पकड़ लिया तो यूनान के लोग उसे देखने के लिए इकट्ठे हो गए।

3. सिकंदर ने डाकू से कहा कि तू क्षमा के लायक नहीं है, तू घोर पापी और दुराचारी है। तूने मेरी प्रजा को लूटा है। असहाय लोगों का खून बहाया है। तुझे तेरे पापों की सज़ा दी जाएगी।

4. डाकू ने सिकंदर की प्रशंसा में कहा कि जहाँपनाह, मैं आपकी न्यायप्रियता की चर्चा खूब सुन चुका हूँ और यह भी जान चुका हूँ कि आपके हाथों किसी निर्दोष को सज़ा नहीं मिली है।

5. न्याय की भीख माँगते हुए डाकू ने सिकंदर से कहा, "जिसने कितने ही देशों को लूटा हो, हज़ारों घर बर्बाद किए हों, हज़ारों बच्चों के सिर से पिता का साया छीना हो, हज़ारों औरतों को विधवा किया हो और खून की नदियाँ बहा दी हों, उसे आप किस नाम से पुकारेंगे? क्या वह दोषी नहीं? क्या वह दंड पाने का अधिकारी नहीं? क्या आप उसे भी मृत्युदंड देंगे? मैं अपने प्राणों की नहीं, केवल न्याय की भीख माँगता हूँ।"

6. सिकंदर ने डाकू को इसलिए रिहा कर दिया क्योंकि जो बातें डाकू ने कही थीं वह सिकंदर को सच लगीं। वह अपने-आप को भी दोषी मानने लगा। अतः उसने डाकू को रिहा कर दिया।

7. सिकंदर का निर्णय सुनकर डाकू उसके चरणों में झुक गया। बादशाह की न्यायप्रियता ने उसे डाकू से भला इनसान बना दिया। उसकी शेष ज़िंदगी आम लोगों की सेवा में बीती।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. सिकंदर महान ने डाकू से क्योंकि डाकू ने राज्य में आतंक फैला रखा था तथा वह लोगों को लूटता और मारता था।

2. डाकू ने सिकंदर से क्योंकि डाकू अपनी सफ़ाई पेश करके इंसाफ़ चाह रहा था।

(ङ) 2. 4. 3. 6. 5. 1.

(च) 1. वह 2. उसके 3. तू 4. मेरा, आपकी 5. उसे

(छ) 1. अन्याय 2. डरपोक 3. सधवा 4. सुख

5. अनुपस्थित 6. सदाचारी 7. रंक 8. अशांत

(ज) 1. मृत्यु का भय होना 2. डर जाना 3. प्रभाव स्वीकार करना

4. जान लेना या देना 5. चुप हो जाना

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।

- कहानी को दूसरा रूप दें।
- इससे बच्चों की कल्पना का पता चलेगा।
- वे नए शब्दों से परिचित होंगे।
- लेखन-कौशल का विकास होगा।

2. बच्चे देश में किस तरह के परिवर्तन चाहते हैं, ये उन्हें पहले मौखिक रूप से बताने दें।

- कक्षा में चर्चा करके उनके विचार जानें।
- जो शब्द बच्चों को कठिन लगे उसकी सही वर्तनी श्यामपट्ट पर लिखें।
- विषय से संबंधित कुछ वाक्य लिखकर बच्चों की सहायता करें।

पाठ 5. बैजू बावरा

रचनात्मक गतिविधि – 1

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. इस विषय पर बच्चे अपने विचार अभिव्यक्त करें।
   - सभी बच्चों को अपने विचार व्यक्त करने का मौका दें।
   - इससे बच्चे अपने विचारों को सबके सामने प्रस्तुत करने में समर्थ होते हैं।
   - उनमें आत्मविश्वास आता है।
   - बच्चों के लेखन कौशल के विकास के लिए यह आवश्यक है।
   - बच्चों को छोटे-छोटे व सार्थक वाक्यों का निर्माण करना सिखाएँ।
2. अलग-अलग पक्षियों की विशेषताओं के बारे में बच्चों को बताएँ। उनके प्रिय पक्षी के बारे में भी जानें तथा अपने विचार भी अभिव्यक्त करें।
3. बच्चों को बताएँ कि रक्षाबंधन का त्योहार कब और क्यों मनाया जाता है।
   - यह त्योहार श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
   - रक्षाबंधन से संबंधित एक किंवदंती प्रचलित है कि एक बार देवताओं और राक्षसों का युद्ध शुरू हुआ। संघर्ष बढ़ता ही जा रहा था। देवता परेशान हो उठे। उनका पक्ष कमज़ोर होता जा रहा था। एक दिन इंद्र की पत्नी शची ने अपने पति की विजय एवं मंगलकामना से प्रेरित होकर उनको राखी बाँधकर युद्ध में भेजा। राखी के प्रभाव से इंद्र विजयी हुए। उसी दिन से राखी का महत्व स्वीकार किया गया।
   - आजकल मनाए जाने वाले रक्षाबंधन के त्योहार के रूप पर कक्षा में चर्चा करें।
4. बच्चे अपनी पसंद के त्योहार के बारे में लिखें।
   - बच्चे उस त्योहार का चित्र भी चिपकाएँ या बनाएँ।
   - बच्चे कक्षा में सभी को अपने प्रिय त्योहार के बारे में बताएँ व यह भी बताएँ कि यह उन्हें क्यों प्रिय है?
5. कक्षा में इस तरह के बच्चों के बारे में चर्चा करें।
   - इंटरनेट से भी सहायता ली जा सकती है।
   - इससे बच्चों में साहस दिखाने की भावना जागृत होगी तथा वे साहसी बनेंगे।
6. बच्चों से घटना का वर्णन करने को कहें।
   - अगर ऐसी कोई घटना न घटी हो तो उन्हें कल्पना से कोई घटना बनाने को कहें।
   - बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।
7. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - बच्चों को दिए गए विषय से संबंधित पुस्तकें उपलब्ध कराएँ।
   - बच्चे अपनी इतिहास की शिक्षिका से भी जानकारी ले सकते हैं।
   - सभी बच्चे कक्षा में कुछ-न-कुछ जानकारी दें, जिसे सभी बच्चे जानें।
   - इस विषय पर आधारित कुछ चित्र-कथाएँ बच्चों को उपलब्ध कराएँ। इससे बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

8. बच्चों को संवाद लिखना सिखाएँ।
   - बच्चे पूरी कहानी को संवाद के रूप में न लिखकर केवल किसी एक अंश को ही संवाद-रूप में लिखें।
   - इस संवाद को वे कक्षा में अभिनय के साथ प्रस्तुत करें।
   - इससे बच्चों में आत्मविश्वास आएगा।

(ख) क्रियाकलाप

1. बच्चे यह कविता कंठस्थ करें और उसे पूर्ण हाव-भाव सहित सुनाएँ।
   - बच्चों के उच्चारण पर विशेष ध्यान दें।
   - कविता को लय के साथ गाकर सुनाने को कहें।
   - इससे बच्चों में संगीत एवं लय संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
2. बच्चे इस विषय पर दादा जी का साक्षात्कार भी ले सकते हैं। साक्षात्कार लेने के लिए प्रश्न निर्माण करें।
   - प्रश्न विषय से संबंधित हों, इस बात का ध्यान रखें।
   - प्रश्न करने अर्थात् साक्षात्कार लेने से बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - इस गतिविधि को परियोजना कार्य के रूप में भी किया जा सकता है।
3. बच्चे शब्दों के शुद्ध उच्चारण जानेंगे।
   - उनका शब्द-ज्ञान व भाषा-ज्ञान बढ़ेगा।
   - शब्दों से वाक्य बनाने से वे अपने विचारों को अभिव्यक्त करना सीखेंगे।
4. इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को कला से जोड़ें।
   - साहित्य से जुड़ने के लिए भी यह आवश्यक है।
   - बच्चों को चार्ट पर बने त्योहार के चित्र से संबंधित दो वाक्य लिखने को कहें।
   - चार्ट को कक्षा में लगवाएँ।
5. बच्चों को पाठ्यक्रम के अतिरिक्त कुछ पढ़ने को कहें। इससे उनकी वाचन रुचि को बढ़ावा मिलेगा।
6. बच्चों को मानचित्र उपलब्ध करवाएँ। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा और उनका सामान्य ज्ञान बढ़ेगा। वे इसमें अधिक रुचि लेंगे।
7. स्वाइन फ्लू के बारे में बच्चों को बताएँ।
   - प्लेग चूहों से फैलता है, यह भी बताएँ।
   - कुछ अन्य बीमारियों के नाम भी आप उन्हें बता सकते हैं।
8. बच्चों को यह क्रियाकलाप कराने में मदद करें।

पाठ 6. हमारा संकल्प

मौखिक कार्य

(क) 1. बच्चों के मन में अरमान है कि वे कुछ करके दिखाएँ।
2. अँधेरे में पड़े लोग वे हैं, जो अपने-आप को औरों से हीन समझते हैं।
3. निराश लोग हिम्मत हारकर बैठ जाते हैं।
4. भारतीय लोग आज़ादी के दीवाने हैं और अपना सर्वस्व लुटाने को तैयार हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. ऐसा व्यक्ति जो अपने लिए न जीकर देश के लिए जीता है और देश के लिए ही मर जाता है वह मरकर भी अमर हो जाता है।
2. कवि गरीब, भिखारी व असहाय लोगों को गले लगाना चाहते हैं ताकि उन्हें सुख और आराम दे सकें।
3. कवि उन घरों में उद्यम का दीप जलाना चाहते हैं जहाँ निराशा ने घर कर लिया है। जो लोग हारकर मरे हुए व्यक्तियों के समान जीवन जी रहे हैं, उनके मन में आशा का दीप जलाकर उन्हें फिर से जीने की प्रेरणा देना चाहते हैं।
4. जो लोग अपने जीवन से निराश हो गए हैं, जिन्हें अपने चारों ओर केवल अंधकार नज़र आ रहा है ऐसे लोगों में उत्साह जगाने की आवश्यकता है।
5. अपने देश की सेवा में सर्वस्व लुटाकर, अपनी धुन के साथ आगे बढ़ते हुए अपने देश की आज़ादी की रक्षा करते हुए ही हम बच्चे सपूत कहला सकते हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (क)

(घ) इसे अध्यापक/अध्यापिका 'पाठ का परिचय' के अंतर्गत देखें।

(ङ) 1. अमीर 2. कच्चा 3. उजाला 4. झूठा 5. जीत 6. कपूत

(च) सपरिवार सजीव सजल अखंड अनाथ अहित

(छ) बच्चों को स्वयं वाक्य बनाने दें।
- प्रत्येक बच्चे से कक्षा में मौखिक रूप से वाक्य अवश्य बनवाएँ।
- अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध करके श्यामपट्ट पर लिखें।

रचनात्मक कार्य

(ज) हर वर्ष की शुरुआत में हम कोई-न-कोई संकल्प लेते हैं।
- बच्चों से जानें कि उन्हें देश के लिए क्या करना है।
- वे भविष्य में किस क्षेत्र में आगे बढ़कर देश के लिए सहायक होंगे।

पाठ 7. महान त्याग

मौखिक कार्य

(क) 1. यह कहानी गांधी जी ने उर्दू की किसी पाठ्यपुस्तक में पढ़ी थी।

2. वह अपने घायल भाई की तलाश में निकल रहा था। उसने सोचा कि शायद उसे प्यास लगी हो, अतः उसने पानी का लोटा अपने साथ ले लिया।

3. अरब सैनिक के भाई के शरीर पर गहरे ज़ख्म थे, जिनसे खून बह रहा था। उसे बहुत प्यास लगी थी और वह कराहता हुआ 'पानी-पानी' की रट लगा रहा था। उसके बचने की आशा नहीं थी।

4. अरब सैनिक इसलिए किसी को भी पानी नहीं पिला सका क्योंकि अरब सैनिक के भाई व सरदार ने स्वयं पानी न पीकर दूसरे की जान बचाने के लिए त्याग किया था। जब तक अरब सैनिक वापस लौटकर उसके पास आया तब तक वह मर चुका था।

लिखित कार्य

(ख) 1. अरब और रूस के बीच युद्ध हुआ था।

2. युद्ध का यह नियम था कि शाम होने पर लड़ाई बंद कर दी जाती थी। तब दोनों दलों के लोग अपने उन मित्रों और साथियों की खोज-खबर लेने के लिए आपस में मिलते थे जो दूसरे पक्ष की ओर से लड़ रहे होते थे।

3. अरब सैनिक अपने चचेरे भाई को देखने निकला जो दूसरी ओर से लड़ रहा था। उसकी इच्छा थी कि यदि भाई को चोट आई हो तो वह उसकी दवा करे। यदि वह मर गया हो तो उसकी लाश को दफ़ना दे।

4. युद्ध के मैदान में अरब सैनिक ने देखा कि सारा मैदान मृतकों व घायलों से भरा पड़ा है।

5. अरब सैनिक अपने घायल भाई को पानी पिलाने ही वाला था कि किसी दूसरे घायल सरदार की पुकार उसे सुनाई दी, "पानी"। भाई के आदेश पर वह पहले उस घायल सरदार को पानी पिलाने को झुका कि तभी तीसरी ओर से आवाज़ आई, "पानी"। तब सरदार के कहने पर अरब सैनिक तीसरे घायल सैनिक के पास पहुँचा और उसे पानी पिलाने जा ही रहा था कि उसके प्राण-पखेरू उड़ गए। अरब सैनिक दौड़कर सरदार के पास आया लेकिन सरदार भी प्राण गवाँ चुका था। दुखभरे दिल से वह खुदा को याद करता हुआ अपने भाई के पास पहुँचा तो उसने देखा कि वह भी सदा के लिए सो चुका था।

6. गांधी जी के अनुसार हमें स्वार्थ को छोड़कर अपने साथियों तथा पड़ोसियों के हित में काम करना चाहिए तथा उनके साथ कभी लड़ाई-झगड़ा नहीं करना चाहिए। जिस देश में ऐसे निस्स्वार्थ भाव से जीवन बिताने वाले लोग होंगे, वह देश और समाज कभी हार का मुँह नहीं देखेगा।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. यहाँ ऐसे समय का ज़िक्र हो रहा है जिस समय पानी की आवश्यकता होने पर भी

किसी दूसरे व्यक्ति के लिए उसका त्याग करना पड़े। क्या ऐसे समय में हम अपने मन में त्याग की भावना को उपजा सकते हैं या नहीं, इस बारे में हमें सोचना है।

2. पानी के बिना तो कुछ समय तक रहा जा सकता है लेकिन हवा के बिना हम एक पल भी नहीं जी सकते। इसलिए हवा की परीक्षा को कठिन बताया गया है।

(ङ) 1. निराशा 2. हलका 3. अनिच्छा 4. पराया 5. सरल 6. कम

(च) इन युग्म शब्दों से बच्चे सार्थक वाक्य स्वयं बनाएँ।

- अध्यापक/अध्यापिका बच्चों की सहायता करें।
- हर बच्चे को एक वाक्य बनाकर सुनाने को कहें।
- वाक्य रचना तथा उच्चारण का ध्यान रखें।

(छ) 1. घमासान 2. सारा 3. गहरा 4. घायल 5. कठिन
6. पहला 7. अरब 8. तड़पती

(ज) 1. समूह, पत्ता 2. युवक, सिपाही 3. सम्मान, जल 4. संसार, कुएँ की मेड़

रचनात्मक कार्य

(झ) बच्चों को कक्षा में कहानी सुनाने को कहें।

- इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ेगा।
- वे अपनी भाषा को और बेहतर बनाने में समर्थ होंगे।
- उनके उच्चारण में स्पष्टता आएगी।

पाठ 8. हरिया की सूझबूझ

मौखिक कार्य

(क) 1. ज़मींदार स्वभाव से कंजूस था।

2. ज़मींदार महीना-भर सख्ती से काम लेता था और जब वेतन देने का समय आता तो उन्हें ऐसा काम बताता कि वे उसे कर ही न पाते। उसी की आड़ में वह उनसे लड़ पड़ता और उनका वेतन हड़प जाता। इसीलिए लोग ज़मींदार के यहाँ काम करने से मना करने लगे।

3. हरिया ज़मींदार के यहाँ उसे सबक सिखाने के लिए जाना चाहता था।

4. ज़मींदार की कोई संतान नहीं थी। उसने हरिया को अपना उत्तराधिकारी स्वीकार कर लिया था। अत: ज़मींदार की पत्नी ने उसे 'बेटा' कहकर अपने गले लगा लिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. ज़मींदार अपने यहाँ काम करने वालों को बहुत सताता था। महीना-भर सख्ती से काम लेता और जब वेतन देने का समय आता तो उन्हें ऐसा काम बताता कि वे उसे कर नहीं पाते। इस तरह ज़मींदार उनका वेतन हड़प कर जाता।

2. ज़मींदार के स्वभाव के कारण कोई भी उसके यहाँ काम करने के लिए तैयार न था। अत: हारकर ज़मींदार को मुनादी करवानी पड़ी।

3. ज़मींदार ने हरिया से कहा कि मेरे यहाँ काम करना आसान नहीं है। मैं जो भी काम बताऊँगा, वह तुम्हें करना पड़ेगा, नहीं कर सके तो वेतन का एक भी पैसा नहीं मिलेगा।

4. पहला महीना बीतने पर ज़मींदार ने हरिया से कहा कि कल तुम मेरे घर के पीछे बाँस के पेड़ों पर हरी-हरी पत्तियाँ लगी हैं, उन्हें तोड़े बिना ही बैलों को खिला देना।

5. छत पर गोभी के पौधे लगाने की बात ज़मींदार की दूसरी चाल थी।

6. ज़मींदार ने हरिया से कहा कि आजकल अकाल पड़ रहा है। तुम कल ही मेरे धान के खेत घर में ले आओ ताकि धान को अकाल से बचाया जा सके।

7. कहानी के अंत में ज़मींदार ने हरिया को अपना उत्तराधिकारी स्वीकार कर लिया और ज़मींदार की पत्नी ने उसे 'बेटा' कहकर गले लगा लिया।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क)

(घ) 7. 3. 6. 4. 2. 1. 5.

(ङ) 1. खुदाई 2. कंजूसी 3. निडरता 4. दुष्टता 5. पिटाई 6. चालाकी

(च) 1. भूतकाल 2. भविष्यत् काल 3. भूतकाल
4. वर्तमान काल 5. वर्तमान काल 6. भविष्यत् काल

(छ) 1. दुष्ट 2. शर्त 3. आसान 4. विजयी
5. महीना 6. वेतन 7. दीवार 8. परीक्षा

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चे अपनी कल्पना से कहानी बनाएँ।

- बच्चों को इसी प्रकार लेखन कला का अभ्यास कराएँ।
- इससे बच्चों की कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा।

2. बच्चों को सोचने के लिए प्रोत्साहित करें।

- उन्हें अपनी सोच से कुछ घटनाओं को शब्दों में अभिव्यक्त करने को कहें।
- पाठ्यक्रम से हटकर दिए गए ऐसे प्रश्न बच्चों की भाषा में रुचि बढ़ाते हैं।

पाठ 9. बुद्धि का कमाल

मौखिक कार्य

(क) 1. दयाराम ने कृष्णदेव राय के दरबार में आकर अपने मालिक द्वारा विश्वासघात किए जाने की बात बताई और न्याय के लिए फरियाद की।
2. दयाराम की नज़र आम के पेड़ पर पड़ी, वहाँ उसने लाल रंग की एक छोटी-सी पोटली लटकी देखी।
3. पोटली में दो बहुमूल्य हीरे थे।
4. दयाराम के मन में लालच आ गया इसलिए उसने मालिक की हाँ-में-हाँ मिला दी।
5. अपना झूठ पकड़ा जाने के कारण सभी गवाहों ने क्षमा-प्रार्थना के लिए राजा के पैर पकड़ लिए।

लिखित कार्य

(ख) 1. दयाराम कृष्णदेव राय के दरबार में न्याय पाने के लिए आया था।
2. जब दयाराम अपने मालिक के साथ बाहर गया तो अचानक धूल भरी आँधी चलने लगी इसलिए उन्हें मंदिर के पीछे सायबान के नीचे शरण लेनी पड़ी।
3. दयाराम के मालिक ने उससे ज़ुबान बंद रखने का वादा इसलिए लिया क्योंकि वे हीरे राज्य की संपत्ति थे और वह उनको हड़पना चाहता था।
4. दयाराम के मालिक ने उससे हीरे आपस में बाँट लेने का वादा किया था परंतु बाद में उसने उसे उसका हिस्सा देने से मना कर दिया।
5. महाराज गहरी सोच में इसलिए पड़ गए क्योंकि उन्हें दयाराम की फरियाद में सच्चाई नज़र आ रही थी परंतु उसके मालिक के पास अपनी बात के पक्ष में गवाह भी थे इसलिए वे समझ नहीं पा रहे थे कि कौन सच बोल रहा है।
6. तेनालीराम ने झूठ पर से परदा उठाने के लिए एक-एक गवाह से अकेले में पूछताछ की, जिससे घबराकर उन्होंने सच बता दिया।
7. महाराज ने अंत में दयाराम के मालिक पर दंड स्वरूप बीस हज़ार स्वर्ण मुद्राओं का जुर्माना लगाया। दस हज़ार स्वर्ण मुद्राएँ दंड स्वरूप दयाराम को दिलवाईं तथा हीरे भी जब्त कर लिए।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. महाराज ने सैनिकों से। 2. दयाराम ने महाराज से।
3. मंत्री ने महाराज से। 4. तेनालीराम ने महाराज से।
5. दयाराम ने महाराज से। 6. दयाराम के मालिक ने महाराज से

(ङ) मुहावरों के अर्थ–
1. विनती करना 2. आश्चर्यचकित होना 3. मन ही मन क्रोधित होना
4. अत्यधिक भयभीत होना 5. क्षमा माँगना, विनती करना
6. अत्यधिक तीव्र प्रकाश अथवा तेज वाली वस्तु को देखकर आँखों पर पड़ने वाला प्रभाव

वाक्य बच्चे स्वयं बनाएँ।

(च) 1. भूतकाल 2. भूतकाल 3. वर्तमान काल 4. भूतकाल 5. भविष्यत् काल 6. भूतकाल

(छ)

	विशेषण		विशेष्य
1.	लाल, छोटी-सी	–	रंग, पोटली
2.	झूठी	–	कहानी
3.	झूठी	–	गवाही
4.	दस हज़ार	–	स्वर्ण मुद्राएँ
5.	कीमती	–	हीरे

(ज) 2. न्न – प्रसन्न, खिन्न 3. त्त – उत्तम, उत्तराधिकारी
4. ब्त – सब्त (लेख, शनिवार), रब्त (अभ्यास, रिश्ता)
5. स्व – स्वाभिमान, स्वामी 6. उन्हें, उन्हीं

(झ) 2. खाना – खाओ – खाकर 3. लाना – लाओ – लाकर
4. पढ़ना – पढ़ो – पढ़कर 5. सोना – सोओ – सोकर
6. करना – करो – करके

रचनात्मक कार्य

(ञ) मौखिक अभिव्यक्ति कौशल को बढ़ाने के लिए यह रचनात्मक कार्य करवाएँ।

- चोरी करना गलत बात है, चर्चा करें।
- प्रत्येक बच्चे को एक मिनट का समय दें।
- वे शुद्ध उच्चारण व पूर्ण हाव-भाव सहित अपनी बात रखें।
- बच्चों की वाक्य रचना तथा वर्तनी पर पूरा ध्यान दें।

पाठ 10. अपना राष्ट्र महान

रचनात्मक गतिविधि – 2

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चों से अपने आसपास, घर-परिवार या जान-पहचान के लोगों में से कोई एक उदाहरण छाँटने को कहें।
   - बच्चों को बताएँ कि संघर्ष हर व्यक्ति की ज़िंदगी में होता है।
   - किसी ऐसे व्यक्ति को जानो जिसने संघर्ष करके अपना लक्ष्य प्राप्त किया हो।
   - इससे बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
2. जल के बिना जीना असंभव क्यों हो जाता है? इस विषय पर कक्षा में बच्चों से चर्चा करें–
   - जल हमारे किस-किस काम आता है? हम जल का उपयोग कैसे करते हैं? हमें जल संरक्षण कैसे करना चाहिए? ऐसे बिंदुओं पर बच्चों से कक्षा में चर्चा करें।
3. बच्चों को मौखिक रूप में अपने विचार अभिव्यक्त करने को कहें।
   - मौखिक अभिव्यक्ति कौशल का विकास करने के लिए बच्चों को कक्षा में बोलने के लिए एक से दो मिनट का समय दें।
   - बच्चों के उच्चारण पर ध्यान दें। इससे उनमें आत्मविश्वास जागेगा।
4. यह पुस्तकालय से संबंधित गतिविधि है।
   - रुचिकर कहानियों को कक्षा में सुनाया जा सकता है।
5. बच्चे इस प्रश्न का उत्तर स्वयं दें।
   - कक्षा में मौखिक रूप से इस प्रश्न पर चर्चा की जाए।
   - बच्चों के मन के भावों को समझें और उन्हें वाक्यों के रूप में श्यामपट्ट पर लिखें।

(ख) क्रियाकलाप

1. बच्चों में पढ़ाई से हटकर कुछ कार्य करने की क्षमता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
   - कहानी को संवाद के रूप में लिखने से बच्चों को भाषा को लिखने तथा संवाद-लेखन की कला को उभारने का अवसर मिलेगा।
   - अभिनय करने से उनमें आत्मविश्वास आएगा।
   - मनोरंजन के माध्यम से बच्चे भाषा को पढ़ना, लिखना व बोलना सीखेंगे।
2. एक-एक वाक्य जोड़कर ही कहानी बनती है।
   - बच्चों को कक्षा में बोले गए हर वाक्य पर ध्यान देने को कहें।
   - वे ध्यान रखें कि कहानी कहाँ से शुरू हुई है।
   - अपनी कल्पना से इस कहानी को अधिक से अधिक मनोरंजक बनाने का प्रयास करें।
   - इस गतिविधि के लिए अध्यापक/अध्यापिका चित्रों का भी प्रयोग कर सकते हैं। इससे बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
3. बच्चों से इस कहानी को संवाद के रूप में लिखने को कहें।
   - बच्चे इसका मंचन करें।
   - नाटक का मंचन बच्चों के स्तर का ही अपेक्षित है।
   - बच्चों को मनोरंजन के माध्यम से संवाद बोलना बताएँ।

पाठ 11. नन्हे हाथों की करामात

मौखिक कार्य

(क) 1. जेम्स ने देखा की अंगीठी पर चढ़ी केतली का पानी ज़ोर-ज़ोर से उछल रहा है। केतली की टोंटी से सूँ-सूँ की आवाज़ आ रही है और ढक्कन उछल-उछलकर ढक-ढक कर रहा है।

2. जेम्स के पिता ने उसे गणित के औज़ारादि बनाकर बेचने के काम के लिए ग्लासगो भेजा।

3. डिक महाशय को प्रयोगशाला के लिए कुछ औज़ारों की ज़रूरत थी। उन्होंने जेम्स को कुछ औज़ार बनाने का आदेश दिया।

4. जेम्सवाट ने पिस्टन की क्रिया को ऊपर-नीचे, आगे-पीछे की बजाय गोलाकार रूप में कर दिया।

लिखित कार्य

(ख) 1. भाप की शक्ति, जो केतली के ढक्कन को उछाल रही थी, को देखकर जेम्स की उत्सुकता बढ़ने लगी।

2. जेम्स के पिता गरीब बढ़ई थे। घर का खर्च पूरा नहीं होता था। परेशानियाँ बढ़ रही थीं इसलिए उन्होंने जेम्स को काम करने के लिए कहा।

3. जेम्स ने गणित के औज़ार बनाने का काम सीखा था। उसका प्रमाणपत्र लेकर वह काम की तलाश में 'कॉलेज ऑफ ग्लासगो' के प्रोफेसर राबर्ट डिक के पास आया।

4. जेम्स के भाप इंजन की विशेष बात यह थी कि यह आगे-पीछे ही नहीं ऊपर-नीचे भी चलता था।

5. जेम्स शरीर से कमज़ोर था। उसका स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता था इसलिए डॉक्टरों ने सलाह दी थी कि वह खुली हवा में मुक्त होकर घूमा करे। किसी प्रकार की चिंता न करे।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. ✓ 2. ✗ 3. ✗ 4. ✓ 5. ✗

(ङ) 1. भाप 2. कमज़ोर 3. औज़ारों 4. ग्लासगो 5. बड़ा

(च) 1. तात्कालिक 2. धार्मिक 3. लड़कपन 4. छुटपन 5. सांसारिक 6. स्वाभाविक

(छ) 1. एकवचन 2. बहुवचन 3. बहुवचन, बहुवचन 4. बहुवचन 5. एकवचन

रचनात्मक कार्य

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

1. बच्चों से चर्चा करें –
   - वे किन चीज़ों पर अधिक ध्यान देते हैं?
   - वे क्या करना पसंद करते हैं?
   - प्रतिभा को कैसे उभारा जा सकता है?
2. इस गतिविधि से बच्चों की मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा।
   - उच्चारण स्पष्ट होगा तथा उनका आत्मविश्वास बढ़ेगा।
   - विज्ञान में रुचि पैदा होगी तथा सामान्य ज्ञान बढ़ेगा।

पाठ 12. चरित्रवान बनो

मौखिक कार्य

(क) 1. जीवन में लक्ष्य को पाने में चरित्र का बहुत बड़ा योगदान होता है।
2. जो व्यक्ति झूठ बोलता है, लोगों को ठगता है, दूसरों को आदर की दृष्टि से नहीं देखता, ऐसे व्यक्ति का समाज में आदर नहीं होता।
3. शिवाजी को उनकी माता जीजाबाई ने चरित्रवान बनने में सहयोग दिया।
4. यदि रिक्शावाला चरित्रवान न होता तो वह अपने रिक्शे पर मिले धन को अपने पास ही रख लेता।

लिखित कार्य

(ख) 1. चरित्रवान व्यक्ति वह है जो ईमानदार हो, किसी को धोखा न देता हो, सदा सच बोलता हो, चोरी न करता हो, परिश्रमी हो, किसी से घृणा न करता हो, ईश्वर में विश्वास रखता हो और ऐसा कोई भी कार्य न करता हो जिसे लोग बुरा समझते हों।
2. लोग चरित्रवान व्यक्ति पर विश्वास करते हैं।
3. शेक्सपीयर के अनुसार चरित्र से ही हमारे भाग्य का निर्माण होता है।
4. सेनापति एक सुंदर महिला को शिवाजी के लिए उपहारस्वरूप लेकर आया था।
5. निर्धन होने के बावजूद भी रिक्शेवाले ने धन मिलने पर लालच नहीं किया और सारा धन धनी व्यक्ति के पते पर मनीआर्डर से भिजवा दिया। इससे स्पष्ट होता कि रिक्शावाला चरित्रवान था।
6. चरित्रवान बनने के लिए हमें स्वयं से प्रतिदिन कुछ प्रश्न पूछने चाहिए। उन प्रश्नों का उत्तर मिलने पर हम स्वयं ही जान जाएँगें कि हम कितने चरित्रवान हैं। यदि हमें स्वयं में कोई त्रुटि नज़र आए तो हमें उसका सुधार करना चाहिए। हमें स्वयं से वादा करना चाहिए कि हम बुराइयों को छोड़कर अच्छाइयों को जीवन में अपनाएँगे।

(ग) 1. (ख) 2. (क) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. न करता हो जिसे लोग बुरा समझते हों।
2. ही भाग्य का निर्माण होता है।
3. महान पुरुषों की कहानियाँ सुनाया करती थीं।
4. का लालच नहीं आया।

(ङ) 2. निर् = निर्जन; निर्जीव 3. दुर् = दुर्जन; दुर्गति
4. अ = अधर्म; अज्ञान 5. प्रति = प्रतिवर्ष; प्रत्येक

(च) 1. शिवाजी ने उससे माता जैसा व्यवहार किया।
2. उसके पास काफ़ी सामान था।
3. चरित्रवान व्यक्ति ही महान बन सकता है।
4. छत्रपति शिवाजी एक चरित्रवान व्यक्ति थे।
5. सेनापति ने सोचा कि शिवाजी उसे इनाम देंगे।

(छ) 1. स्त्रीलिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. स्त्रीलिंग 5. स्त्रीलिंग 6. स्त्रीलिंग

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों से इस विषय पर चर्चा करें।
- उन्हें सदैव सही राह अपनाने को कहें।
- चरित्रवान बनने से ही जीवन सार्थक होगा, यह समझाएँ।
- अच्छे विचार उन तक पहुँचाने का प्रयास करें।

2. बच्चे अपने आदर्श व्यक्ति के बारे में बताएँ।
- आदर्श क्यों मानते हैं? यह भी बताएँ।
- वे जीवन में उनकी कौन-सी बातें अपनाएँगे? इसपर चर्चा करें।

इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और मौखिक अभिव्यक्ति का विकास होगा। कुछ विशिष्ट व्यक्तियों के चित्र लाकर कक्षा में टाँगें, जिससे बच्चे अपना आदर्श चुन सकें। इससे बच्चों की चित्र संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

पाठ 13. हमारे पेड़

मौखिक कार्य

(क) 1. कवि ने पेड़ों को हमारा साथी कहा है। 2. पेड़ हमें शुद्ध वायु देते हैं।
3. बादल हमें जल देते हैं। 4. जंगल की शोभा पेड़ों से होती है।

लिखित कार्य

(ख) 1. पेड़ हमें नवजीवन प्रदान करते हैं।
2. पेड़ अपना पूरा जीवन औरों के लिए जीते हैं। वे हमें फल देते हैं, छाया देते हैं, जड़ी-बूटियाँ देते हैं, वायु को शुद्ध करते हैं। स्वयं तिल-तिलकर जलते हैं और हमें जीवन प्रदान करते हैं। इस प्रकार वे हमें त्याग का पाठ पढ़ाते हैं।
3. पेड़ सूर्य के तेज, ताप, कड़कड़ाती ठंड तथा बारिश को सहते हैं।
4. पेड़ न केवल जंगल को सजाते हैं, वे हमें जीवन भी प्रदान करते हैं और पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं। हमें इसी राज़ को पहचानना चाहिए।
5. हमें अपने पर्यावरण को प्रदूषणरहित बनाने के लिए वृक्षारोपण करना चाहिए। इससे धरती की सुंदरता बढ़ेगी। हवा शुद्ध होगी। प्रदूषण दूर होगा और हमारा जीवन खुशहाल होगा।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (क)

(घ) इन पंक्तियों में कवि पेड़ों के परोपकारी स्वभाव के बारे में बताते हुए कह रहे हैं कि वे प्रकृति की सारी मुश्किलों को सहकर, अपने जीवन को राख बनाकर हमें जीवन दे जाते हैं। हमें इन पेड़ों से कुछ सीखना चाहिए। अपने इस जीवन में स्वार्थी बनकर नहीं जीना चाहिए। परोपकार करके जीवन को ऊँचा उठाना चाहिए।

(ङ) 1. प्य – प्यास, प्यासा 2. त्य – त्याग, सत्य 3. व्य – व्यक्ति, भव्य
4. द्ध – युद्ध, बुद्ध 5. र्प – दर्पण, समर्पित 6. स्व – स्वागत, स्वयं

(च) 1. स्वस्थ 2. व्याधि 3. शोभा 4. हार्दिक 5. अर्पित 6. उपवन

(छ) बच्चे स्वयं वाक्य बनाएँ।
- बने हुए वाक्य सार्थक हों।
- शब्दों का सही रूप में प्रयोग किया गया हो।
- वाक्य कविता के भाव से हटकर बनाएँ तो बेहतर है।

(ज) 1. निर्बल 2. आगे 3. अशुद्ध 4. मरण 5. पराया 6. सुखी

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों को यह उत्तर अपनी सोच से लिखने को कहें।
- पेड़ न होने पर क्या-क्या होगा? बच्चे स्वयं लिखें।
- वे पर्यावरण में पेड़ों के महत्व को उजागर करेंगे।
- वे पेड़ों को बचाने के लिए क्या करेंगे? यह भी लिखें।

2. बच्चे अपने घर के आसपास की स्थिति का वर्णन करें।
- अगर वहाँ पेड़-पौधे हैं तो वे उनके लिए क्या कर रहे हैं?
- पेड़-पौधे नहीं हैं तो वे वहाँ पेड़-पौधे लगाने के लिए क्या प्रयत्न कर रहे हैं?
- 'हरियाली क्यों बनी रहनी चाहिए?' इस विषय पर बच्चों से चर्चा करें।

पाठ 14. हाज़िरजवाब शेख जी

मौखिक कार्य

(क) 1. शेख जी सुलतान मीर मुर्तज़ा के सेनापति थे।
2. सुलतान का नाम मीर मुर्तज़ा था।
3. शेख जी स्वभाव से हाज़िरजवाब थे।
4. शेख जी ने दो नौकरों को आदेश दिया था।
5. बेगम को देखने एक वैद्य जी आए थे।

लिखित कार्य

(ग) 1. शेख जी अपनी हाज़िरजवाबी के लिए विख्यात थे।
2. शेख जी ने सुलतान से कहा कि उन्होंने सिर्फ़ यही आदेश दिया था कि घोड़ों को पानी दिखा लाओ इसलिए वे घोड़ों को पानी पिलाकर नहीं लाए।
3. सुल्तान ने जब शेख जी से घोड़ों को पानी न पिलाने का कारण पूछा तो शेख जी ने कहा कि आप ही ने तो घोड़ों को पानी दिखाकर लाने को कहा था इसीलिए मैं पानी दिखा लाया। शेख जी की यह बात सुनकर ही सुलतान ने उन्हें महामूर्ख कहा।
4. शेख जी ने एक नौकर को वैद्य जी को बुलाने का और दूसरे नौकर को कफ़न लाने का काम सौंपा।
5. सुलतान को नाराज़ होते देख शेख जी ने कहा कि आपने ही तो एक बार कहा था कि हर बुद्धिमान आदमी एक काम बताने पर दो करता है, आगे तक की सोचता है। यही सोचकर मैंने वैद्य जी को भी बुलवा लिया है, कफ़न भी मँगवा दिया है। मैंने आगे की सोची है। आपने एक काम बताया था, मैंने दो कर दिए हैं।
6. जब शेख जी की हरकत पर सुलतान नाराज़ हुए तो शेख जी ने इसके लिए सुलतान को ही कारण बता दिया। अपने आप को बुद्धिमान साबित करने के लिए उन्होंने यह हरकत की थी। अत: सुलतान ने कहा कि शेख जी को हराना असंभव है।

(ग) 1. (क) 2. (क) 3. (ख) 4. (ख)

(घ) 1. शिकार 2. बेगम 3. दूसरा 4. अब्बा

(ङ) 1. सोची 2. पूछेगा 3. पिलाया 4. करूँगा

(च) 1. । 2. ? 3. ? 4. । 5. ?

(छ) इसे बच्चे स्वयं करें।
- वाक्य संरचना का अभ्यास बच्चों के लिए आवश्यक होता है।
- इससे बच्चों को शब्द के अर्थ समझने व वाक्य बनाने का अभ्यास होता है।
- शब्दों के अर्थ बच्चों को स्पष्ट करें।
- कुछ वाक्य बनाकर श्यामपट्ट पर लिखें।

रचनात्मक कार्य

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।
- बच्चों को संवाद बोलना सिखाएँ।
- बच्चों से अभिनय करवाएँ।
- इससे बच्चों के अभिनय-कौशल का विकास होगा।
- वे अपने भावों को बेहतर रूप में अभिव्यक्त करने का अभ्यास कर पाएँगे।

पाठ 15. परमवीर सेनानी

रचनात्मक गतिविधि – 3

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - इससे बच्चों को आत्मनिर्भर होकर काम करने का मौका मिलेगा।
   - उनमें आत्मविश्वास जागेगा।
2. बच्चे इस प्रश्न का उत्तर स्वयं दें।
   - कक्षा में मौखिक रूप से भी इस प्रश्न पर चर्चा की जाए।
   - बच्चों के मन के भावों को समझें और उन्हें वाक्य के रूप में श्यामपट्ट पर लिखें।
3. बच्चे अपने साथ घटी घटना का वर्णन करें।
   - यदि उनके साथ कभी ऐसा न हुआ हो तो वे कल्पना करके भी लिख सकते हैं।
   - बच्चों को उनके भावों को अभिव्यक्त करने के लिए नए शब्दों से परिचित करवाएँ।
   - इस गतिविधि का उद्देश्य बच्चों के लेखन-कौशल का विकास करना है।
4. डायरी लेखन भी लेखन-कौशल को बढ़ावा देता है।
   - बच्चों को डायरी लिखने का अभ्यास होना चाहिए।
   - इससे भाषा अच्छी होती है तथा बच्चे अपने भावों को बेहतर शब्दों व भाषा में अभिव्यक्त करना सीखते हैं।
   - डायरी लेखन का नमूना बच्चों को समझाएँ।
   - डायरी की शुरुआत में प्रिय डायरी / दिनांक / वार समय आदि लिखे जाने चाहिए। डायरी के अंत में शुभ रात्रि लिखा जाना चाहिए।
5. पेड़-पौधों से हमें क्या-क्या मिलता है, इस बारे में कक्षा में चर्चा करें। बच्चों को अपने माता-पिता से इस बारे में चर्चा कर महत्वपूर्ण बातों को लिखकर लाने को कहें।
6. 'वन महोत्सव' के बारे में बच्चों से चर्चा करें।
   - पेड़ लगाने से होने वाले फ़ायदों पर बच्चों से चर्चा करें।
   - स्कूल में किस प्रकार 'वन महोत्सव' मनाया जा सकता है, इसपर भी चर्चा करें।
   - इस गतिविधि से बच्चों की चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
7. बच्चे अपने आसपास रहने वाले किसी व्यक्ति के बारे में बताएँ।
   - यदि ऐसा कोई व्यक्ति न हो तो वे कल्पना का सहारा लें।
   - इससे वे भाषा को लिखने का अभ्यास कर पाएँगे।
   - अध्यापक/अध्यापिका उनको प्रोत्साहित करें तथा उनकी गलतियों को सुधारें।

(ख) क्रियाकलाप

1. इस क्रियाकलाप से बच्चों की स्मरण-शक्ति को बढ़ाया जा सकता है।
   - इससे उनमें स्पर्धा की भावना उजागर होगी।
   - बच्चों में संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
2. यह पुस्तकालय क्रियाकलाप है। इस क्रियाकलाप से बच्चों की शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।
   - बच्चों को पाठ्यक्रम से अलग पुस्तकें पढ़ने के लिए पुस्तकालय ले जाएँ।
   - इससे उनमें किताब पढ़ने की इच्छा जागेगी।
   - वे अच्छे पाठक बनेंगे। साहित्य में उनकी रुचि बढ़ेगी।
   - घटना को संवाद-रूप में लिखने से संवाद लेखन का अभ्यास होगा।
   - मंचन करने से आत्मविश्वास बढ़ेगा।
3. पेड़ों को बचाने के लिए इस आंदोलन की शुरुआत हुई थी।
   - बच्चों से इस विषय में इंटरनेट से जानकारी प्राप्त करने को कहें।
   - वे अपने अध्यापक/अध्यापिका से भी इस विषय पर चर्चा कर सकते हैं।
   - कक्षा में भी बच्चों को इस विषय पर चर्चा करने को कहें।
   - बच्चों के सामान्य ज्ञान को बढ़ाएँ।

   बच्चे इस कविता को याद कर पूर्ण हाव-भाव सहित कक्षा में सुनाएँ। इससे उनकी स्मरणशक्ति का विकास होगा। साथ ही साथ संगीत एवं लय संबंधी तथा शारीरिक क्रिया संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता भी उजागर होगी।
4. बच्चों को पाठ्यक्रम से हटकर कुछ पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।
   - वाचन-कौशल का विकास बच्चों के भविष्य के लिए अधिक उपयोगी होगा।
   - जब वे कक्षा में कहानी सुनाएँगें तो उनमें आत्मविश्वास आएगा तथा उनका उच्चारण स्पष्ट होगा।

पाठ 16. हृदय परिवर्तन

मौखिक कार्य

(क) 1. गाँववालों ने सुबोध को समझाया था कि वह दुर्जन से अधिक मेल-जोल न बढ़ाए, वह बहुत झगड़ालू है।

2. सुबोध से झगड़ा करने के इरादे से दुर्जन ने पहले तो उसके खेत में अपने बैल छोड़कर उसकी फ़सल खराब कर दी फिर उसके खेत में पानी ले जाने वाली नाली तोड़ दी।

3. गाँववाले यह देखकर चकित रह गए कि दुर्जन का दुष्ट स्वभाव समाप्त हो गया है और वह सबसे नम्रता और प्रेम का व्यवहार करने लगा है।

लिखित कार्य

(ख) 1. दुर्जन का स्वभाव अहंकारी और झगड़ालू था।

2. सुबोध के स्वभाव की विशेषता थी कि वह सभी से नम्रता से बोलता और प्रेम का व्यवहार करता था। गाँव के लोगों की सहायता करने के लिए वह सदैव तैयार रहता था।

3. सुबोध ने हँसकर गाँववालों के सामने कहा था कि यदि दुर्जन उससे लड़ेगा तो वह उसे मार ही डालेगा। यही बात बढ़ा-चढ़ाकर किसी ने दुर्जन के सामने कह दी, बस तभी से दुर्जन सुबोध से चिढ़ने लगा।

4. सुबोध को अपने बैल लेकर जाते देख लोग समझ गए कि वह दुर्जन की सहायता करने जा रहा है। उन्होंने उसे ऐसा करने से मना किया।

5. सुबोध के लगातार उपकारी स्वभाव और निश्छल प्रेममय व्यवहार के कारण दुर्जन का हृदय परिवर्तन हो गया।

6. दुर्जन ने अपने स्वभाव में आए परिवर्तन का कारण सुबोध के उपकारी स्वभाव और निश्छल प्रेममय व्यवहार को बताया।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) 1. सुबोध ने कहा जब लोगों ने उसे दुष्ट दुर्जन से दूर रहने की सलाह दी।

2. लोगों ने कहा जब दुर्जन की गाड़ी नाले के कीचड़ में फँस गई।

3. सुबोध ने कहा जब लोगों ने उसे दुर्जन की सहायता करने से रोका।

4. सुबोध ने कहा जब दुर्जन ने उसकी सहायता लेने से मना कर दिया।

5. दुर्जन ने कहा जब लोगों ने उसके बदले व्यवहार का कारण पूछा।

(ङ) मुहावरों के अर्थ –

1. किसी बात को और अधिक बढ़ाकर बोलना
2. अत्यधिक क्रोध करना
3. निरुत्तर करना (पाठ के संदर्भ में)
4. किसी विषय को गंभीरतापूर्वक सोचना
5. बोलने की स्थिति में न रहना/अत्यधिक शर्मिंदगी की स्थिति

वाक्यों में प्रयोग बच्चे स्वयं करें।

(च) 1. पुल्लिंग 2. पुल्लिंग 3. स्त्रीलिंग 4. पुल्लिंग 5. पुल्लिंग
6. स्त्रीलिंग 7. स्त्रीलिंग 8. स्त्रीलिंग

(छ) 1. मुझसे, मैं 2. वह 3. मैंने 4. तुम, वह, मैं 5. वह

(ज) 2. झगड़ालू 3. एक 4. तंदुरुस्त, बलवान 5. दुष्ट
6. उपकारी, निश्छल, प्रेममय, क्रोधी, अहंकारी

(झ) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(ञ) इससे वे चित्रों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करना व उनका वर्णन करना सीखेंगे।

- बच्चे अपनी सोच से इस प्रश्न का उत्तर देंगे।
- बच्चों को अपनी कल्पनाशक्ति बढ़ाने दें।
- इससे बच्चे बेहतर भाषा प्रयोग कर पाएँगे।
- उन्हें सटीक उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।
- इससे बच्चों के लेखन-कौशल का विकास होगा।
- बच्चों में हिंदी भाषा के प्रति रुचि जगाने के लिए इस प्रकार के लेखन का होना आवश्यक है।

पाठ 17. आओ सत्यार्थी बनें

मौखिक कार्य

(क) 1. अध्यापिका जी ने बच्चों को नए छात्र मानस से मिलवाया।
2. रुचि ने मानस से पूछा कि वह इतना बड़ा है फिर पहले स्कूल क्यों नहीं गया और उसको सीधे उस कक्षा में प्रवेश कैसे मिल गया।
3. कैलाश सत्यार्थी जी का जन्म मध्य प्रदेश के विदिशा नामक स्थान पर हुआ था।
4. बाल मज़दूरी विरोधी विश्वयात्रा कैलाश सत्यार्थी जी ने 108 देशों के 14 हज़ार संगठनों को साथ लेकर शुरू की थी।
5. मानस संसार के सब बच्चों को साक्षर बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित करना चाहता था।

लिखित कार्य

(ख) 1. मानस के जीवन को पूजा ने 'नरक जैसा' इसलिए कहा है क्योंकि उसे इतनी कम उम्र में कारखाने में काम करना पड़ता था। सुबह से रात तक लगातार काम। भरपेट खाना भी नहीं मिलता था। बीमार होने पर भी काम करना पड़ता था और मारपीट भी झेलनी पड़ती थी।
2. मानस को पढ़ने-लिखने का शौक था। इसलिए रात में जब सब सो जाते थे तो वह कारखाने से निकल जाता था और पास ही रहने वाले अपने हमउम्र लड़के से पढ़ना-लिखना सीखता था।
3. ज़रूरतमंद बच्चों तक किताबें पहुँचाने के लिए उन्होंने सब्ज़ी बेचने वाले का एक खाली ठेला लिया और परीक्षा पास करने वाले बच्चों की किताबें इकट्ठी करके उन्हें ज़रूरतमंदों तक पहुँचा दिया।
4. कैलाश सत्यार्थी की प्रबल इच्छा थी कि कैसे भी करके बालश्रम करने वाले असंख्य बच्चों का बचपन बचाया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने नौकरी छोड़कर लगातार काम करना शुरू कर दिया और 1980 में व्यापक रूप से 'बचपन बचाओ आंदोलन' शुरू कर दिया।
5. 'बंधुआ मुक्ति मोर्चा' एक संस्था है। वर्ष 1981 में कैलाश सत्यार्थी ने स्वामी अग्निवेश के साथ मिलकर इस संस्था की स्थापना की। इस संस्था में लगभग 20 हज़ार सदस्य हैं जो कालीन, काँच, ईंट के भट्टों, पत्थर खदानों, घरेलू बाल मज़दूरी तथा साड़ी उद्योग जैसे खतरनाक उद्योगों में काम करने वाले बच्चों को मुक्त कराते हैं।
6. कैलाश सत्यार्थी जी को 144 देशों के 83000 से अधिक बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए वर्ष 2014 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला।

(ग) 1. (क) 2. (ख) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख)

(घ) 1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही 6. गलत

(ङ) 1. के 2. का, के, को 3. के, की 4. के 5. की, के, के, की

(च) 1. पुराना 2. स्वस्थ 3. दुश्मनी 4. स्वर्ग
5. मृत्यु 6. बंधन 7. सरल 8. अव्यवस्था

(छ) 1. ब् + आ + त् + अ + च् + ई + त् + अ

2. अ + ध् + य् + आ + प् + इ + क् + आ

3. म् + अ + ध् + य् + अ + प् + र् + अ + द् + ए + श् + अ

4. स् + अ + त् + य् + आ + र् + थ् + ई

5. भ् + आ + व् + उ + क् + अ

6. आ + न् + द् + ओ + ल् + अ + न् + अ

(ज) इसे बच्चे स्वयं करें।

रचनात्मक कार्य

(झ) 1. बच्चों से बाल श्रमिक के प्रति उनकी भावना जानें।

- यदि वे कुछ गलत सोचते हैं तो उन्हें सही मार्गदर्शन दें।
- उनमें मानवता का विकास करें।
- उनमें सेवा-भाव भरने का प्रयास करें।

2. इस तरह के प्रश्न बच्चों को मानवता से जोड़ते हैं।

- उन्हें इन प्रश्नों पर सोचकर अपने विचार अभिव्यक्त करने दें।
- आवश्यकता पड़ने पर कुछ अच्छे उदाहरण भी उन्हें सुनाएँ।

पाठ 18. तोत्तोचान

मौखिक कार्य

(क) 1. स्कूल का गेट देखकर तोत्तोचान इसलिए ठिठक गई क्योंकि स्कूल का गेट पेड़ के दो तनों से बना हुआ था और पिछले स्कूल के गेट से बिलकुल भिन्न था।

2. रेलगाड़ी के छह डिब्बे थे।

3. हेडमास्टर जी ने तोत्तोचान से कहा कि अब तुम मुझे अपने बारे में सब कुछ बताओ। कुछ भी, जो तुम बताना चाहो, बताओ।

4. तोत्तोचान बेसब्री से अगले दिन का इंतज़ार इसलिए करने लगी क्योंकि उसे वह स्कूल और वहाँ के हेडमास्टर जी बहुत पसंद आए थे।

लिखित कार्य

(ख) 1. रेलगाड़ी के डिब्बे देखकर तोत्तोचान ने अपनी माँ से कहा, "आओ, जल्दी करो। इस गाड़ी में हम झट से चढ़ जाते हैं।"

2. तोत्तोचान ने हेडमास्टर जी से सबसे पहले पूछा कि आप हेडमास्टर हैं या स्टेशन मास्टर।

3. तोत्तोचान ने हेडमास्टर जी को बताया कि उसके दूसरे स्कूल की शिक्षिका बहुत सुंदर हैं। जब तोत्तोचान मुँह में कैंची डालकर चलाती थी तो उसकी शिक्षिका उसे मना करती थी, क्योंकि शिक्षिका को डर था कि कहीं उसकी जीभ न कट जाए। उसने यह भी बताया कि पापा कितने अच्छे तैराक हैं, और तो और, वे गोता भी लगा सकते हैं।

4. नए स्कूल का गेट तनों का बना था तो पुराने स्कूल का गेट सीमेंट का था। वहाँ बच्चे बहुत अधिक थे लेकिन नए स्कूल में बच्चे कम थे। खाने के समय नए स्कूल में सभी छात्र एक जगह बैठकर खाना खा रहे थे और हेडमास्टर जी हर एक बच्चे से बातें करते हुए उनके डिब्बे में झाँक रहे थे। सभी बच्चे खुशी से किलकारियाँ मार रहे थे। तोत्तोचान को इससे पहले पता ही न था कि स्कूल में दोपहर का खाना भी इतने आनंद की बात होती है। इस प्रकार नया स्कूल पुराने स्कूल से बहुत भिन्न था।

5. तोत्तोचान को स्कूल जाते देख माँ की आँखें बरबस इसलिए भर आईं क्योंकि उनके लिए यह मानना बहुत कठिन था कि उसकी चुलबुली बिटिया, जो इतनी खुशी से स्कूल जा रही थी, हाल ही में एक स्कूल से निकाली जा चुकी है।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (ख)

(घ) 1. असत्य 2. सत्य 3. सत्य 4. असत्य 5. असत्य 6. सत्य

(ङ) 1. बहुवचन 2. एकवचन 3. एकवचन 4. बहुवचन 5. बहुवचन

(च) 1. पुल्लिंग 2. स्त्रीलिंग 3. पुल्लिंग 4. पुल्लिंग 5. स्त्रीलिंग

(छ) इस प्रश्न को बच्चे स्वयं करें। प्रत्येक शब्द से चार या पाँच बच्चों से वाक्य बनवाएँ। यह सुनिश्चित करें कि बच्चे इन शब्दों के अर्थ जानते हैं। आवश्यकता पड़ने पर शब्दों के अर्थ श्यामपट्ट पर लिखें। कुछ वाक्य भी श्यामपट्ट पर लिखे जा सकते हैं।

रचनात्मक कार्य

(ज) 1. बच्चों से उनके विचार जानें।

- वे बताएँ कि यदि ऐसा होता तो वे क्या करते।
- वे अपने स्कूल को किस प्रकार सजाते।

2. बच्चों को अपने सपनों के स्कूल के बारे में लिखने को कहें।

- वे किस तरह का स्कूल पसंद करते हैं?
- उनके स्कूल में क्या-क्या होना चाहिए?
- वे अपने स्कूल में कितने बजे से कितने बजे तक रहना चाहेंगे?
- उस स्कूल के लिए वे क्या-क्या कर सकते हैं?

अंत में बच्चों को ऐसे स्कूल का चित्र बनाने तथा उसमें रंग भरने को कहें। इससे उनकी चित्र एवं दृश्य संबंधी बहुविध बौद्धिक क्षमता का विकास होगा।

पाठ 20. भारत के बालक

मौखिक कार्य

(क) 1. बच्चों को भारत के बालक होने का गर्व है।

2. हमारे देश के लोगों के आत्मविश्वास के सामने संसार के सभी लोगों को सदैव सिर झुकाना पड़ा है इसलिए कवि ने कहा है कि हमसे सारा जग हारा।

3. मत हमें डराए कोई,
मत लड़ने आए कोई,
लेकिन लड़ने जो आएगा,
वह मात सदा ही खाएगा।

4. बच्चे सर्वस्व लुटाने की बात अपने दुश्मन से कर रहे हैं क्योंकि वे अपने देश से बहुत प्रेम करते हैं।

लिखित कार्य

(ख) 1. जो व्यक्ति मित्रता का भाव लेकर आएगा उसे गले लगाने की बात कही गई है।

2. बातों से न मानने वाले लोगों के साथ युद्ध कर उन्हें देश की ताकत का अंदाज़ा दिलाया जाता है।

3. कवि कह रहे हैं कि कोई हमें डराने न आए, न ही कोई हमसे लड़ने आए क्योंकि जो भी हमसे लड़ने आएगा वह सदा ही हार का मुँह देखेगा।

4. भारतवासी सत्य-अहिंसा के नारे के बल पर आगे बढ़ रहे हैं।

(ग) 1. (ख) 2. (ख) 3. (क) 4. (क)

(घ) इसे बच्चे स्वयं करें।

(ङ) 1. सकर्मक 2. अकर्मक 3. सकर्मक 4. सकर्मक 5. अकर्मक

(च) इसे बच्चे स्वयं करें। अध्यापक/अध्यापिका वाक्य बनाने में बच्चों की मदद करें।

रचनात्मक कार्य

(छ) 1. बच्चों को परमवीर चक्र से सम्मानित वीर सिपाहियों के बारे में बताएँ। जैसे–मेजर सोमनाथ शर्मा, कैप्टन विक्रम बत्रा आदि।

2. अन्य स्रोतों से भी इंडिया गेट के बारे में जानकारी जुटा सकते हैं।

रचनात्मक गतिविधि – 4

(क) मौखिक/लिखित अभिव्यक्ति

1. बच्चे अपनी सोच से बताएँ कि दोनों के स्वभाव में उन्होंने क्या अंतर अनुभव किया?
   - किसे पसंद करेंगे और किसे नापसंद और क्यों?
2. पहले विषय पर कक्षा में चर्चा करें।
   - बच्चों को अपने विचार लिखने दें। इससे लेखन-कौशल का विकास होगा।
3. इस विषय पर बच्चे चर्चा करें –
   - मानव सेवा कैसे-कैसे संभव है?
   - इस उम्र में वे क्या सेवाएँ कर सकते हैं?

- अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर वे क्या कर सकते हैं?

बच्चों को एक बेहतर इनसान बनाने के लिए अच्छे विचार दें।

4. बच्चों के साथ कुछ विशिष्ट व्यक्तियों के बारे में चर्चा करें जिन्होंने अपना जीवन समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया हो।
   - महात्मा गांधी
   - बाबा आमटे
   - डॉ भीमराव अंबेडकर
   - राजा राममोहन राय
5. इस गतिविधि से बच्चे प्रश्न बनाने की कला सीख सकेंगे।
   - प्रश्न बनाने में अध्यापक/अध्यापिका उनकी सहायता करें।
6. बच्चों को कहानी लेखन का अभ्यास कराया जाना चाहिए।
   - बच्चों को कहानी के लिए कुछ संकेत बिंदु दिए जा सकते हैं।
7. कक्षा में चर्चा का आयोजन करें।
   - प्रत्येक बच्चे को अपनी बात रखने दें।
   - उनकी अभिव्यक्ति का अवलोकन करें।
   - शब्दों एवं वाक्यों के उपयुक्त क्रम पर ध्यान दें।

(ख) क्रियाकलाप

1. कहानी को एकांकी में बदलने में बच्चों की सहायता करें।
   - उन्हें संवाद लिखने सिखाएँ।
   - भावपूर्ण संवाद बोलना सिखाएँ।
   - अब एकांकी का मंचन करवाएँ।
2. 'ग्राम-पंचायत' के बारे में बच्चे जानकारी प्राप्त करें।
   - ग्राम-पंचायत पाँच पंचों का एक समूह होता है जो गाँव के छोटे-मोटे विवादों को सुलझाता है।
   - बच्चों को अधिक जानकारी इतिहास की शिक्षिका से प्राप्त करने को कहें।
   - इससे बच्चों को प्रश्न करना आएगा।
   - वे अपनी जिज्ञासाओं को प्रश्नों के माध्यम से दूसरों के सामने रखना सीखेंगे।
3. इस क्रियाकलाप से बच्चों में गरीब लोगों के प्रति दया भाव जागेगा और वे अच्छे इनसान बन पाएँगे।
   - समाज में बहुत से लोग गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन कर रहे हैं। बच्चों को उनके बारे में बताएँ।
   - उन्हें यह ज्ञात कराएँ कि वे अपनी छोटी-छोटी चीज़ों से किसी को बड़ी खुशी दे सकते हैं।
4. डायरी लेखन भी एक कला है। बच्चों को डायरी लिखने का तरीका बताया गया है।

- बच्चों से नए मित्र बनाकर उनके बारे में जानने को कहें।
- उनका मित्र कैसा है, उसे क्या पसंद है और वह उसे क्यों अच्छा लगता है, आदि बातें डायरी में लिखी जाएँ।